प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में आई तेजी 1300 करोड़ की तीन इकाइयां लगीं

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में तेजी आई है। विदेशी निवेशकों पेप्सिको, मैपेई कंस्ट्रक्शन और एयर लिक्विड इंडिया ने हाल ही में तीन बड़े संयंत्र लगाए हैं। तीनों में पहले चरण में करीब 1300 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। वहीं, पांच और संयंत्र लाइन में हैं, जो जल्द धरातल पर नजर आएंगे।

बुनियादी ढांचे में विकास, कनेक्टिविटी, एक्सप्रेसवे के बाद निवेश का दायरा नोएडा-एनसीआर से बाहर निकल रहा है। अवध क्षेत्र के साथ-साथ ब्रज क्षेत्र भी निवेशकों को रास आ रहा है। इसी का नतीजा है कि अमेरिकी कंपनी पेप्सिको ने मथुरा में 750 करोड़ रुपये से प्लांट लगाया गया है। 29 एकड़ में फैले इस प्लांट में अभी और निवेश होगा। इसी तरह इटली की कंपनी मैपेई कंस्ट्रक्शन ने 250 करोड़ रुपये का निवेश कर इकाई स्थापित की है।

नोएडा-एनसीआर के बाद ब्रज औद्योगिक क्षेत्र बना निवेशकों की पसंद

मथुरा के औद्योगिक क्षेत्र कोसी कोटवन विस्तार में तीसरे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में एयर लिक्विड इंडिया ने करीब 350 करोड़ रुपये निवेश कर एयर सेपरेशन यूनिट की स्थापना की है। यूपीसीडा ने कोविड काल में कंपनी को जमीन आवंटित की थी। मथुरा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के तहत ये तीसरी इकाई है।

एयर लिक्विड के इस प्लांट की क्षमता 300 टन रोजाना तरल ऑक्सीजन व मेडिकल ऑक्सीजन के साथ ही 45 टन तरल नाइट्रोजन और 12 टन तरल आर्गन की है। ये प्रदेश में अबतक का सबसे बड़ा तरल गैस संयंत्र है। इससे मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन की आपूर्ति दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी यूपी, राजस्थान और मध्यप्रदेश के अलावा औद्योगिक इकाइयों को की जाएगी।

विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए यूपीसीडा ने यहां के औद्योगिक क्षेत्रों में रखरखाव पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लगभग 35 करोड़ के काम चल रहे हैं। मथुरा में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए यूपीसीडा लगभग 200 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार भी कर रहा है।